

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 22 October 2026

सौ. उज्ज्वला शेळके : ग्रामीण विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शिक्षा की अलख जगा रही एक समर्पित शिक्षिका

Sanket Morankar

Published on 21 Oct 2026



ग्रामीण विद्यार्थियों के सपनों को दिशा देने का संकल्प

महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के मेहकर तालुका स्थित हिवरा आश्रम में सौ. उज्ज्वला सदानंद शेळके शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रयास कर रही हैं। उनका उद्देश्य ग्रामीण विद्यार्थियों को भी शहरों के विद्यार्थियों की तरह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उचित मार्गदर्शन और आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध कराने में योगदान देना है।

विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति के साथ उनमें आत्मविश्वास विकसित करना और भविष्य के करियर के लिए सही दिशा दिखाना उनके कार्य का प्रमुख हिस्सा है। इसी उद्देश्य से उन्होंने वर्ष 2013 में हिवरा आश्रम में 'शिवराज क्लासेस' की शुरुआत की।

उनकी शैक्षणिक यात्रा और शिक्षण के प्रति समर्पण यह संदेश देते हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी सही मार्गदर्शन, निरंतर मेहनत और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से विद्यार्थियों की क्षमताओं को विकसित किया जा सकता है।

विविध शैक्षणिक योग्यताओं से समृद्ध शिक्षण यात्रा

सौ. उज्ज्वला शेळके का जन्म 10 नवंबर 1987 को हुआ। उनका मायके का नाम उज्ज्वला गुलाबराव बोडखे है। उन्होंने एचएससी, डी.एड., मनोविज्ञान विषय में बी.ए., बी.एससी., बी.एड. और भौतिकशास्त्र विषय में एम.एससी. जैसी शैक्षणिक योग्यताएँ हासिल की हैं।

विभिन्न विषयों में प्राप्त शिक्षा का उपयोग ग्रामीण विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के लिए करने की सोच ने उन्हें शिक्षण क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इसी विचार के साथ उन्होंने शिवराज क्लासेस के माध्यम से विद्यार्थियों को पढ़ाने और उनके भविष्य को दिशा देने का कार्य शुरू किया।

शिवराज क्लासेस : गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सुलभ बनाने का प्रयास

शिवराज क्लासेस में पाँचवीं से दसवीं कक्षा तक के अंग्रेजी और सेमी-अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों को किफायती शुल्क में शिक्षा प्रदान करने पर ध्यान दिया जाता है।

विद्यार्थियों की बुनियादी समझ मजबूत करना, गणित और विज्ञान विषयों के प्रति भय कम करना, कठिन अवधारणाओं को सरल तरीके से समझाना और दसवीं की बोर्ड परीक्षा के लिए व्यवस्थित तैयारी कराना उनकी शिक्षण पद्धति के महत्वपूर्ण पहलू हैं।

पढ़ाई को अधिक रोचक और प्रभावी बनाने के लिए डिजिटल बोर्ड, ऑडियो-वीडियो सामग्री, एनिमेशन और प्रेजेंटेशन जैसी आधुनिक तकनीकों का भी उपयोग किया जाता है। इससे विद्यार्थियों को विषयों को समझने और सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने का अवसर मिलता है।

करियर मार्गदर्शन और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी

सौ. उज्ज्वला शेळके का मानना है कि विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। उन्हें अलग-अलग करियर विकल्पों, उच्च शिक्षा और प्रवेश परीक्षाओं के बारे में समय रहते जानकारी मिलना भी आवश्यक है।

इसी उद्देश्य से शिवराज क्लासेस में करियर मार्गदर्शन सेमिनार आयोजित किए जाते हैं। ब्राइट क्लासेस, मोशन क्लासेस, आरसीसी क्लासेस, आईआईबी क्लासेस और आईसीआई क्लासेस जैसी संस्थाओं से जुड़े शिक्षण विशेषज्ञों के माध्यम से विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देने की पहल की जाती है।

इसके अतिरिक्त, अमरावती के पीडीएमसी मेडिकल कॉलेज के 15 एमबीबीएस विद्यार्थियों ने भी विद्यार्थियों से संवाद किया। इस दौरान चिकित्सा क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों और चुनौतियों के बारे में जानकारी साझा की गई।

JEE, NEET और AIIMS जैसी प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए आवश्यक बुनियादी ज्ञान विकसित करने के उद्देश्य से गर्मियों में फाउंडेशन क्लासेस भी आयोजित की जाती हैं। ऐसे प्रयास विद्यार्थियों को भविष्य की शैक्षणिक चुनौतियों के लिए पहले से तैयार करने में सहायक हो सकते हैं।

व्यक्तिगत मार्गदर्शन से बढ़ता विद्यार्थियों का आत्मविश्वास

हर विद्यार्थी की सीखने की क्षमता, रुचि और कठिनाइयाँ अलग-अलग होती हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए सौ. उज्ज्वला शेळके व्यक्तिगत मार्गदर्शन, समुपदेशन और विद्यार्थियों की शंकाओं के समाधान पर विशेष ध्यान देती हैं।

उनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने दसवीं की बोर्ड परीक्षा में 97 प्रतिशत तक अंक हासिल किए हैं। यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत के साथ-साथ नियमित अध्ययन, उचित मार्गदर्शन और परीक्षा की तैयारी के महत्त्व को भी दर्शाती है।

उनका प्रयास है कि आर्थिक कठिनाइयों या सही मार्गदर्शन की कमी के कारण ग्रामीण क्षेत्र का कोई भी विद्यार्थी अपने शैक्षणिक सपनों से पीछे न रह जाए।

शिक्षा के माध्यम से ग्रामीण विकास की दिशा

ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और करियर मार्गदर्शन की उपलब्धता विद्यार्थियों के भविष्य को नई दिशा दे सकती है। जब बच्चों को सही समय पर प्रोत्साहन, विषयों की स्पष्ट समझ और आगे बढ़ने के अवसर मिलते हैं, तो वे अपनी क्षमताओं को बेहतर ढंग से पहचान सकते हैं।

सौ. उज्ज्वला शेळके इसी सोच के साथ विद्यार्थियों को शिक्षित करने और उनमें आत्मविश्वास विकसित करने का प्रयास कर रही हैं। उनका कार्य शिक्षा को केवल परीक्षा में अंक प्राप्त करने का माध्यम न मानकर व्यक्तित्व विकास और भविष्य निर्माण की प्रक्रिया के रूप में देखने की प्रेरणा देता है।

विद्यार्थियों के नाम प्रेरणादायक संदेश

सौ. उज्ज्वला शेळके का संदेश है:

“ग्रामीण क्षेत्र में भी शिक्षा का उत्कृष्ट केंद्र बनाया जा सकता है, यदि विद्यार्थियों को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की

शक्ति दी जाए। केवल सपने मत देखिए, बल्कि उन्हें पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्प, समर्पण और निरंतर मेहनत भी कीजिए। ग्रामीण क्षेत्र का एक भी लड़का या लड़की मार्गदर्शन के अभाव में पीछे नहीं रहना चाहिए—यही मेरा लक्ष्य है।” उनकी यह सोच ग्रामीण विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य निर्धारित करने, मेहनत से आगे बढ़ने और उपलब्ध अवसरों का पूरा लाभ उठाने के लिए प्रेरित करती है।

संपर्क जानकारी

- नाम : सौ. उज्ज्वला सदानंद शेळके
- संस्था : शिवराज क्लासेस
- पता : हिवरा आश्रम, तालुका मेहकर, जिला बुलढाणा, महाराष्ट्र
- मोबाइल : 9011314579
- ई-मेल : ujjvalashelke27@gmail.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.